SET-3

Series BVM/C

कोड नं.
Code No. **29/1/3**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 80*

सामान्य निर्देश :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *11*

इस सृष्टि का सिरमौर है मनुष्य, विधाता की कारीगरी का सर्वोत्तम नमूना । मानव को ब्रह्मांड का लघु रूप मानकर भारतीय दार्शनिकों ने 'यत् पिण्डे तत् ब्रह्माण्डे' की कल्पना की थी । उनकी यह कल्पना मात्र कल्पना नहीं थी, क्योंकि मानव-मन में जो विचार के रूप में घटित होता है, उसी का कृति रूप ही तो सृष्टि है ।

परन्तु वैज्ञानिक दृष्टि से विचार किया जाए तो मानव-शरीर की एक जटिल यंत्र से उपमा दी जा सकती है । जिस प्रकार यंत्र के एक पुर्जे में दोष आ जाने पर सारा यंत्र गड़बड़ा जाता है उसी प्रकार मानव शरीर के विभिन्न अवयवों में से यदि कोई एक अवयव भी बिगड़ जाता है तो उसका प्रभाव पूरे शरीर पर पड़ता है । इतना ही नहीं गुर्दे जैसे कोमल एवं नाजुक हिस्से के खराब हो जाने से यह गतिशील यंत्र एकाएक अवरुद्ध हो सकता है और व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है । एक अंग के विकृत होने पर सारा शरीर दंडित हो, कालकवलित हो जाए – यह विचारणीय है । यदि किसी यंत्र के पुर्जे को बदलकर उसके स्थान पर नया पुर्जा लगाकर यंत्र को पूर्ववत सुचारु एवं व्यवस्थित रूप से क्रियाशील बनाया जा सकता है तो शरीर के विकृत अंग के स्थान पर नव्य निरामय अंग लगाकर शरीर को स्वस्थ एवं सामान्य क्यों नहीं बनाया जा सकता ? शल्य चिकित्सकों ने इस दायित्वपूर्ण चुनौती को स्वीकार किया तथा निरंतर अध्यवसायपूर्ण साधना के अनंतर अंग प्रत्यारोपण के क्षेत्र में सफलता प्राप्त की । अंग प्रत्यारोपण का उद्देश्य है कि मनुष्य दीर्घायु प्राप्त कर सके । यहाँ यह भी ध्यातव्य है कि मानव-शरीर हर किसी के अंग को उसी प्रकार स्वीकार नहीं करता, जिस प्रकार हर किसी का रक्त उसे स्वीकार्य नहीं होता । रोगी को रक्त देने से पूर्व रक्त-वर्ग का परीक्षण अत्यावश्यक है । इसके साथ ही अंग प्रत्यारोपण से पूर्व ऊतक-परीक्षण भी अनिवार्य है । आज का शल्य-चिकित्सक गुर्दे, यकृत, आँत, फेफड़े और हृदय का प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक कर रहा है । साधन संपन्न चिकित्सालयों में मस्तिष्क के अतिरिक्त शरीर के प्राय: सभी अंगों का प्रत्यारोपण संभव हो गया है । कौन जाने कल हम जीता जागता मनुष्य ही प्रयोगशाला में बना सकें ।

(क) गद्यांश को पढ़कर एक उचित शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) मानव को सृष्टि का लघु रूप क्यों कहा गया है ? इसे 'मशीन' की संज्ञा क्यों दी गई है ? *2*

(ग) शल्य-चिकित्सक का मुख्य ध्येय बताइए । अंग प्रत्यारोपण की सफलता का रहस्य क्या है ? *2*

(घ) भारतीय दार्शनिकों ने क्या कल्पना की थी ? उनकी यह कल्पना यथार्थ कैसे थी ? *2*

(ङ) 'मानव को दीर्घायु बनाने में विज्ञान की भूमिका महत्त्वपूर्ण है ।' गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए । *2*

(च) अंग प्रत्यारोपण से पूर्व कौन-से परीक्षण आवश्यक होते हैं और क्यों ? *2*

2. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों को ध्यान से पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×5=5*

बहुत दिनों बाद खुला आसमान
निकली है धूप, हुआ खुश जहान
दिखीं दिशाएँ, झलके पेड़
चरने को चले ढोर-गाय-भैंस, भेड़
खेलने लगे लड़के छेड़-छेड़
लड़कियाँ घरों को कर भासमान
लोग गाँव-गाँव को चले
कोई बाज़ार, कोई बरगद के पेड़ के तले
जाँघिया-लँगोटा ले, सँभले,
तगड़े-तगड़े सीधे नौजवान ।
पनघट में बड़ी भीड़ हो रही,
नहीं खयाल आज कि भीगेगी चूनरी
बातें करती हैं वे सब खड़ी
चलते हैं नयनों के सधे बान ।

(क) बहुत दिनों बाद लोग क्यों खुश हुए ?

(ख) गाँव के दृश्यों में क्या परिवर्तन आए ?

(ग) पनघट किसे कहते हैं ? वहाँ बड़ी भीड़ क्यों है ?

(घ) गाँव के युवकों में क्या-क्या हलचल हुई ?

(ङ) भाव स्पष्ट कीजिए :

खेलने लगे लड़के छेड़-छेड़
लड़कियाँ घरों को कर भासमान

अथवा

माना आज मशीनी युग में, समय बहुत महँगा है लेकिन
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी हैं ।
उम्र बहुत बाकी है लेकिन, उम्र बहुत छोटी भी तो है ।
एक स्वप्न मोती का है तो, एक स्वप्न रोटी भी तो है ।
घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है ।
सोया है विश्वास जगा लो, हम सबको नदिया तरनी है ।
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी हैं ।
मन छोटा करने से मोटा काम नहीं छोटा होता है,
नेह कोष को खुलकर बाँटो, नहीं कभी टोटा होता है
आँसू वाला अर्थ न समझो, तो सब ज्ञान व्यर्थ जाएँगे ।
मत सच का आभास दबा लो, शाश्वत आग नहीं मरनी है ।
तुम थोड़ा अवकाश निकालो, तुमसे दो बातें करनी हैं ।

(क) आपके विचार से समय महँगा होने का क्या तात्पर्य है ?

(ख) 'नेह कोष' का क्या तात्पर्य है ? वह बाँटने पर भी छोटा क्यों नहीं होता ?

(ग) 'मोती का स्वप्न' और 'रोटी का स्वप्न' से क्या तात्पर्य है ? दोनों किसके प्रतीक हैं ?

(घ) 'घुटनों में माथा रखने से पोखर पार नहीं होता है ।' भाव स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) कवि के अनुसार ज्ञान व्यर्थ कब हो जाएगा ?

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** विषय पर लगभग 300 शब्दों में निबंध लिखिए : *8*

(क) हमारी सीमाओं के रखवाले

(ख) विविधता में एकता

(ग) महिला सुरक्षा की समस्या

(घ) बदलता समाज, बदलते मूल्य

4. बढ़ती स्वास्थ्य समस्या की दृष्टि से वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए विशेष चिकित्सालय खोलने हेतु निवेदन करते हुए स्वास्थ्य निदेशालय को पत्र लिखिए । *5*

अथवा

पर्वतारोहण में रुचि रखने वाले दिल्ली के राकेश की ओर से निदेशक, पर्वतारोहण शिक्षण संस्थान, उत्तरकाशी में चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम, उसकी प्रशिक्षण अवधि, शुल्क आदि से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए पत्र लिखिए ।

5. अभिव्यक्ति और माध्यम के आधार पर ***किन्हीं चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *1×4=4*

(क) इंटरनेट सारे जनसंचार माध्यमों का समागम कैसे है ?

(ख) संचार क्या है ? संक्षेप में समझाइए ।

(ग) स्टिंग ऑपरेशन से आप क्या समझते हैं ?

(घ) पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा खंभा क्यों कहा जाता है ?

(ङ) समाचार-पत्रों की भाषा कैसी होनी चाहिए ? क्यों ?

6. 'सामाजिक समरसता' विषय पर एक फ़ीचर तैयार कीजिए । *3*

अथवा

'दिवाली में दिये ज़रूरी या पटाखे' विषय पर एक आलेख लिखिए ।

खण्ड ग

7. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

श्रमित स्वप्न की मधुमाया में
गहन विपिन की तरुछाया में
पथिक उनींदी श्रुति में किसने –
यह विहाग की तान उठाई ।

अथवा

जननी निरखति बान धनुहियाँ ।
बार-बार उन नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ ।।
कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय वचन सवारे ।
"उठहु तात ! बलि मातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे ।।"
कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ भैया ।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया ।।"

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से ***किन्हीं दो*** के उत्तर लिखिए : *2×2=4*

(क) ‘ ‘गीत गाने दो मुझे’ कविता दुख और निराशा से लड़ने की शक्ति देती है ।’ कथन के पक्ष या विपक्ष में दो तर्क दीजिए ।

(ख) घनानंद के प्रेमपत्र की विशेषता क्या थी ? सुजान ने उस पत्र का क्या किया ?

(ग) माघ मास में विरहिणी की दशा का वर्णन ‘बारहमासा’ के आधार पर कीजिए ।

(घ) बनारस कविता के आधार पर लिखिए कि वहाँ की पूर्णता और रिक्तता को कवि ने कैसे चित्रित किया है ।

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से ***किन्हीं दो*** के काव्य-सौंदर्य पर प्रकाश डालिए : *3×2=6*

(क) पुलकि सरीर सभाँ भए ठाढ़े ।
नीरज नयन नेह जल बाढ़े ।।
कहब मोर मुनिनाथ निबाहा ।
एहि तें अधिक कहौं मैं काहा ।।

(ख) कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि,
मूदि रहए दु नयान ।
कोकिल-कलरव, मधुकर-धुनि सुनि,
कर देइ झाँपइ कान ।

(ग) जैसे शमी वृक्ष के तने से टिककर
न पहचानते हुए विदुर ने धर्मराज को
निर्निमेष देखा था अंतिम बार
और उनमें से उनका आलोक धीरे-धीरे आगे बढ़कर
मिल गया था युधिष्ठिर में

(घ) चोट खाकर राह चलते
होश के भी होश छूटे
हाथ जो पाथेय थे, ठग –
ठाकुरों ने रात लूटे,
कंठ रुकता जा रहा है,
आ रहा है काल देखो ।

10. निम्नलिखित गद्यांशों में से ***किसी एक*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *5*

अपनी आँखों से जगह देखकर, अपने हाथ से चुने हुए मिट्टी के ढेलों पर भरोसा करना क्यों बुरा है और लाखों करोड़ों कोस दूर बैठे बड़े-बड़े मिट्टी और आग के ढेलों – मंगल शनिश्चर और बृहस्पति की कल्पित चाल के कल्पित हिसाब का भरोसा करना क्यों अच्छा है ?

अथवा

भारत की सांस्कृतिक विरासत यूरोप की तरह म्यूज़ियम और संग्रहालयों में जमा नहीं थी – वह उन रिश्तों से जीवित थी, जो आदमी को उसकी धरती, उसके जंगलों, नदियों – एक शब्द में कहें उसके समूचे परिवेश के साथ जोड़ते थे । अतीत का समूचा मिथक संसार पोथियों में नहीं, उन रिश्तों की अदृश्य लिपि में मौजूद रहता था । यूरोप में पर्यावरण का प्रश्न मनुष्य और भूगोल के बीच संतुलन बनाए रखने का है । भारत में यही प्रश्न मनुष्य और उसकी संस्कृति के बीच पारंपरिक संबंध बनाए रखने का हो जाता है ।

11. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *3×2=6*

(क) धर्मचर्चा के बीच नेहरू जी ने कौन-सी कहानी सुनाई ? इसका उद्देश्य क्या था ?

(ख) संवदिया के रूप में हरगोबिन की तीन विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'मनोकामना की गाँठ भी अद्‌भुत अनोखी है ।' कथन का आशय 'दूसरा देवदास' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(घ) निर्मल वर्मा के निबंध के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि औद्योगीकरण ने पर्यावरण का संकट किस प्रकार पैदा किया है ।

12. रामचन्द्र शुक्ल **अथवा** हज़ारी प्रसाद द्विवेदी का जीवन-परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *5*

अथवा

जयशंकर प्रसाद **अथवा** तुलसीदास का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

13. ‘आरोहण’ कहानी के माध्यम से लेखक ने पर्वतीय जनजीवन के सूक्ष्म अनुभवों और यातनाओं को रेखांकित किया है – सोदाहरण पुष्टि कीजिए । *4*

अथवा

‘अपना मालवा...’ के लेखक को क्यों लगता है कि विकास की औद्योगिक सभ्यता वस्तुतः उजाड़ की अपसभ्यता है ?

14. निम्नलिखित में से ***किन्हीं दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *4×2=8*

(क) ‘झोंपड़े की आग ईर्ष्या की आग की भाँति कभी नहीं बुझती ।’ कथन का संदर्भ और आशय कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) ‘आरोहण’ के आधार पर पर्वतीय जीवन की कठिनाइयों का वर्णन कीजिए ।

(ग) “अपना मालवा ...” के आधार पर पानी की समस्या पर अपने विचार लिखिए ।

(घ) उन कारणों की चर्चा कीजिए जिनके आधार पर लेखक का मानना है कि बिस्कोहर से अच्छा कोई गाँव या वहाँ की महिला से सुंदर कोई महिला हो सकती है ।